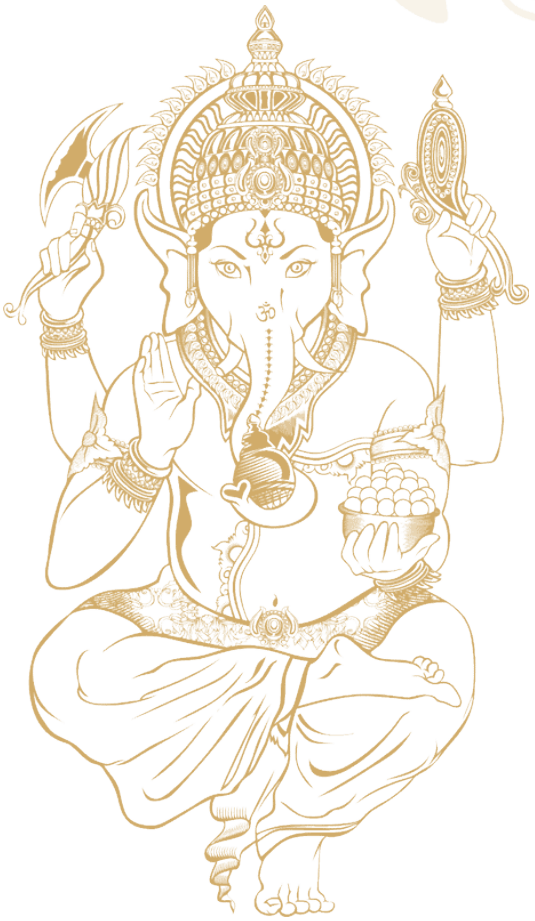

10 Mar 2026

07:31 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121541511

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/03/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**19:31:00 घंटे**
इष्ट	32:15:00 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:09:52 घंटे
वेलान्तर	-00:10:18 घंटे
साम्पातिक काल	06:22:54 घंटे
सूर्योदय	06:36:59 घंटे
सूर्यास्त	18:26:20 घंटे
दिनमान	11:49:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	25:46:40 कुम्भ
लग्न के अंश	10:49:21 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वज्र
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:49:21	317:53:19	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	25:46:40	00:59:57	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	16:52:52	11:52:36	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल		अ	कुंभ	12:04:12	00:47:16	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	19:32:01	00:57:16	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:51:47	00:00:07	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	10:55:04	01:14:33	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शनि			मीन	08:39:36	00:07:22	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:40:03	00:00:27	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:40:03	00:00:27	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:45:04	00:01:45	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:10:14	00:02:14	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:33:17	00:01:27	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	11:02:03	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

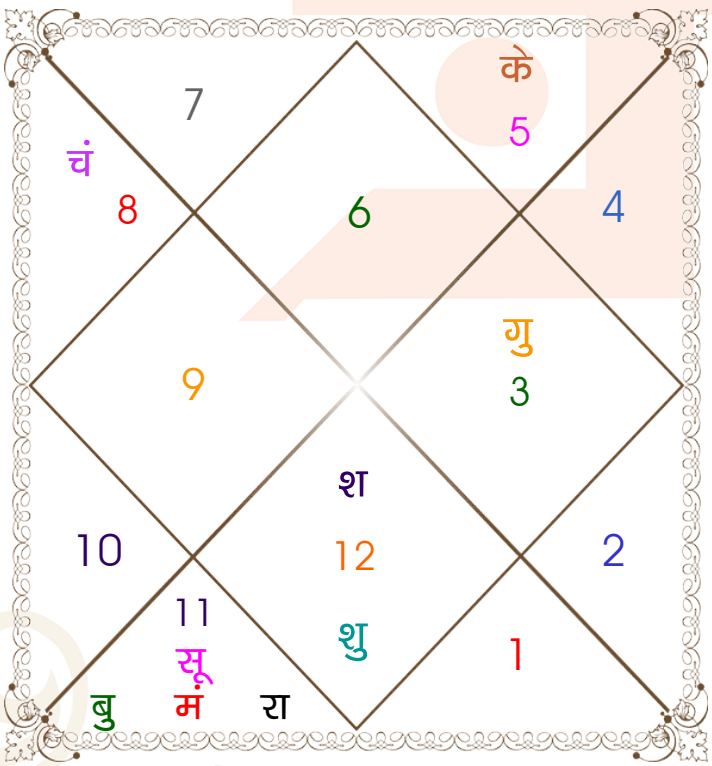

चन्द्र कुंडली

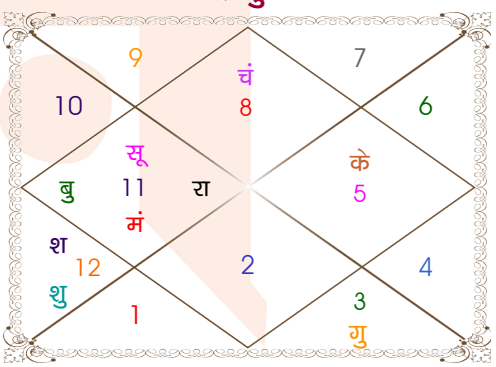

नवमांश कुंडली

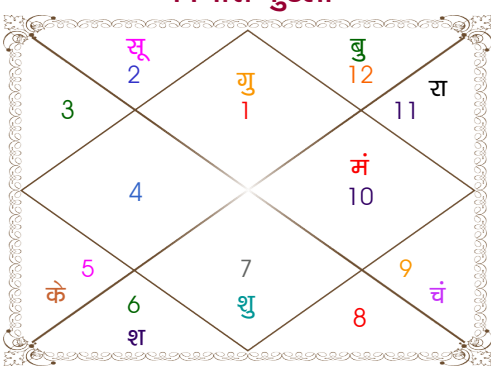

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 8 मास 21 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
10/03/2026		01/12/2042		01/12/2049		01/12/2069		01/12/2075	
01/12/2042		01/12/2049		01/12/2069		01/12/2075		01/12/2085	
बुध	28/04/2028	केतु	29/04/2043	शुक्र	01/04/2053	सूर्य	20/03/2070	चंद्र	30/09/2076
केतु	25/04/2029	शुक्र	28/06/2044	सूर्य	01/04/2054	चंद्र	19/09/2070	मंगल	01/05/2077
शुक्र	24/02/2032	सूर्य	03/11/2044	चंद्र	01/12/2055	मंगल	25/01/2071	राहु	31/10/2078
सूर्य	31/12/2032	चंद्र	04/06/2045	मंगल	30/01/2057	राहु	19/12/2071	गुरु	01/03/2080
चंद्र	01/06/2034	मंगल	31/10/2045	राहु	31/01/2060	गुरु	06/10/2072	शनि	01/10/2081
मंगल	29/05/2035	राहु	19/11/2046	गुरु	01/10/2062	शनि	18/09/2073	बुध	02/03/2083
राहु	16/12/2037	गुरु	25/10/2047	शनि	01/12/2065	बुध	26/07/2074	केतु	01/10/2083
गुरु	23/03/2040	शनि	03/12/2048	बुध	30/09/2068	केतु	01/12/2074	शुक्र	01/06/2085
शनि	01/12/2042	बुध	01/12/2049	केतु	01/12/2069	शुक्र	01/12/2075	सूर्य	01/12/2085

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/12/2085		30/11/2092		02/12/2110		02/12/2126		02/12/2145	
30/11/2092		02/12/2110		02/12/2126		02/12/2145		00/00/0000	
मंगल	29/04/2086	राहु	13/08/2095	गुरु	19/01/2113	शनि	05/12/2129	बुध	11/03/2146
राहु	17/05/2087	गुरु	06/01/2098	शनि	02/08/2115	बुध	14/08/2132		00/00/0000
गुरु	22/04/2088	शनि	13/11/2100	बुध	07/11/2117	केतु	23/09/2133		00/00/0000
शनि	01/06/2089	बुध	02/06/2103	केतु	14/10/2118	शुक्र	22/11/2136		00/00/0000
बुध	29/05/2090	केतु	20/06/2104	शुक्र	14/06/2121	सूर्य	04/11/2137		00/00/0000
केतु	25/10/2090	शुक्र	21/06/2107	सूर्य	02/04/2122	चंद्र	05/06/2139		00/00/0000
शुक्र	25/12/2091	सूर्य	14/05/2108	चंद्र	02/08/2123	मंगल	14/07/2140		00/00/0000
सूर्य	01/05/2092	चंद्र	13/11/2109	मंगल	08/07/2124	राहु	21/05/2143		00/00/0000
चंद्र	30/11/2092	मंगल	02/12/2110	राहु	02/12/2126	गुरु	02/12/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 8 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।